Total No. of Printed Pages — 4

240017

CCSME17

PAPER / पत्र – II

PANCHPARGANIA LANGUAGE AND LITERATURE

पंचपरगनिया भाषा – साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 05

Full Marks : 150 **Time : 3 Hours**

पूर्णांक : 150 **समय : 3 घण्टे**

निर्देश :

(i) प्रश्न-पत्र दो भाग में विभक्त है। भाग 'अ' (A) में कुल 04 प्रश्न (प्रश्न संख्या 01 से 04) एवं भाग 'ब' (B) में कुल 04 प्रश्न (प्रश्न संख्या 05 से 08) है।

(ii) प्रश्न संख्या 01 एवं प्रश्न संख्या 05 सभी परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य हैं।

(iii) परीक्षार्थियों को कुल 06 प्रश्नों का उत्तर लिखना है, जिसमें दोनों भाग 'अ' (A) एवं भाग 'ब' (B) से अनिवार्य प्रश्न संख्या के अतिरिक्त 01 (एक प्रश्न) का उत्तर देना अनिवार्य होगा।

(iv) अनिवार्य प्रश्न संख्या 01 एवं 05 में सात प्रश्नों में से पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा जिसका प्रति प्रश्न 07 अंक निर्धारित है।

(v) प्रश्न संख्या 01 एवं 05 के अतिरिक्त शेष प्रश्नों का 20 अंक प्रति प्रश्न है।

निर्देश :

(i) सवाल दुइ भागे बाँटल आहे। भाग–क (A) मेहेन जमा 04 टा सवाल (सवाल संख्या 01 ले 04) आर भाग–ख (B) मेहेन जमा 04 टा सवाल (सवाल संख्या 05 ले 08) आहे।

(ii) सवाल संख्या 01 एवंग सवाल संख्या 05 सउब के लिखना अनिवार्य आहे। परीछार्थी के जामा 06 टा सवाल केर उत्तर लिखेक आहे, जेटाएँ दिअ भाग–क (A) आर भाग–ख (B) केर अनिवार्य सवाल संख्या केर अलावे 01 (एकटा सवाल) केर उत्तर लिखेक टा अनिवार्य हेके।

(iii) अनिवार्य सवाल संख्या 01 एवंग 05 मेहेन सात सवाल गिला मइधे पाँच टा सवाल केर उत्तर लिखेइ हइ, जेकर 07 अंक निर्धारित आहे।

(iv) सवाल संखा 01 एवंग 05 केर अलावे बाकी सवाल केर 20 अंक चाहे 10–10 क आर ख माहने आहे।

Marks
अंक

भाग—'अ' (A)

1. कन' **पाँच** केर खाट' खुँटिए उत्तर लिखा : (7×5=35)

   (क) मउखिक आर लिखित भासा

   (ख) नासिक बरन' आर अनुसउअर

   (ग) सामाइन' सबदाअलि

   (घ) भासा आर ब'लि

   (ङ) अनुतान

   (च) बचन

   (छ) पंचपरगनिया केर विउतपति

2. (क) पंचपरगनिया साहित केर काल बाँट कइर के आधुनिक आर अइताधुनिक काल के फरक करा। 10

   (ख) उपनेआस साहित केर विकास जातरा के बिस्तारे लिखा। 10

3. (क) पंचपरगनिया भासा माहने कतेक रकम केर बिराम चिन्ह आहे, बरनिया करा। 10

   (ख) समास केर परिभासा आर भेद गिला के समटी के लिखा। 10

4. (क) अरथ' केर अनुजाइ सबद' केर कतेक परकार हयला, नुमुदे लिखा। 10

   (ख) लोक कहनि केर बिसेसता गिला के लिखा। 10

भाग—'ब' (B)

5. कन' **पाँच** केर खाट' खुँटिए उत्तर लिखा : (7×5=35)

   (क) सुनकहनि, आर जान कहनि

   (ख) झुमइर गित

Marks
अंक

(ग) लोक साहित आर सिस्ट साहित

(घ) आहना आर कहतुक

(ङ) उधउआ गित

(च) सिसु गित आर खेइल गित

(छ) अभिचार गित

6. (क) पंचपरगनिया साहित केर इतिहास लेखन माहने आएक समस्या गिला के फइरचाए के लिखा। **10**

(ख) पंचपरगनिया साहिते सामाजिक जीवन केर गित भरल पूरल आहे? गितेक दाँइजि लिखा। **10**

7. (क) बिरह बेथा केर गित गाउआ विधुमनी केर चिनहाप लिखा। **10**

(ख) बरजूराम तांती माहान कबीर पंथ केर झलक देखे पाउआएला, गितेक नुमुदे लिखा। **10**

8. (क) पंचपरगनिया माहने अनुबाद करा : **20**

अक्षरों की खोज के सिलसिले को सुरू हुए मुश्किल से छह हजार साल हुए हैं। केवल मात्र छह हजार वर्ष। अक्षरों की खोज के साथ ही एक नए युग की शुरूआत हुई। आदमी अपने विचार और अपने हिसाब किताब को लिखकर रखने लगा । तब से मानव को सभ्य कहा जाने लगा। आदमी ने जब से लिखना सुरू किया, तब से इतिहास आरम्भ हुआ। किसी भी कौम या देश का इतिहास तब से सुरू होता है जब से आदमी के लिखे हुए लेख मिलने लग जाते हैं। इस प्रकार इतिहास को सुरू हुए मुश्किल से छह हजार साल हुए हैं। उसके पहले के काल को प्रागैतिहासिक काल यानि इतिहास के पहले का काल कहते हैं।

अत: हम देखते हैं कि यदि आदमी अक्षरों की खोज नहीं करता तो आज हम इतिहास को न जान पाते। हम यह भी न जान पाते कि पिछले कुछ हजार सालों में आदमी किस प्रकार रहता था, क्या-क्या सोचता था, कौन-कौन राजा हुए इत्यादि।

अक्षरों की खोज करने के बाद पिछले छह हजार सालों में मानव जाति का तेजी से विकास हुआ। इस प्रकार एक पीढ़ी के ज्ञान का इस्तेमाल दूसरी पीढ़ी करने लगी। यह महत्व है अक्षरों का और उनसे बनी हुई लिपियों का।

चाहे (अथवा)

Marks
अंक

(ख) संछेपन करा : 20

रितुराज बसंत केर आत केई सीत केर भयंकर प्रकोप पाराय गेलक। पातझड़ी माहान पछिम केर हावा एसन छितिर-बितिर कइर देलक जे गाछ केर डाड़ा पात हेंड़रे देखाए लागलक। तबे किछु दिन केर परे नावा-डगी ले उचरलक जे सुन्दर, स्वच्छ आर मादकता आइन देलक।

इ समय टाय सीत केर काठ-काठुवा जाड़ ना रउद केर ताप। वातावरण माझा-माझी ना गरम ना जाड़, सउब जिउ-जन्तु के उमंग केर लहर उठत रहे। खेत गड़ाएँ-जाइ, गोहूँम, साग-सब्जी लागल रीझे रूनु-झुनु, गीत-संगीत फुइट के गितकाय आहेन रकम बुझात रहे। गाछ पातेक अधरे सुतल बुतल एकबारगी संगीत केर सरगुल होय उठलक। पारास केर वन आपन लाल रंग माहान सोभायमान आहे। रितुराज बसंत केर सुसासन आर सुव्यवस्था माहान सुन्दरता चाइरोधार देखाए रइ आहे। दरफूटा फूल गिला नावा जौबन भमर गिला के निमंतन दे तेहे। असोक केर आइग बरनो मुलायम आर नावा पात गिला हावा केर छुवल माहान तरंगित हय रइ आहे। जाड़ मासेक काठ-काठुवा अंग गिलाए नावा फुरती एकवारगी फूइट बाहराय आहे। बसंत केर आवल माहान संगे-संगे आधमरा आर पुरना गिलाक परभाव सिराय गेलक। प्रकृति केर कन-कन माहान नावा जीबन बहे लागलक। आम मंजरी केर सुन्दर गन्ध माहान कुइली केर पंचम कुहू, भमरेक गुन-गुन सरे आर दरफूटा फूल केर चटकिला, बन आर उद्यान गिला के आपन अंग माहान सोभा कर संचार सउब एसन लागेला जेसन जीवन माहान सुख टाई सत हेके। प्रकृति बसंत केर आवल माहान आपन रूप केर सुन्दरता टा चाइरोधार साजाए दे आहे। इटाक बरनिमा करा असंभव हेके।

★★★